मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BHDC–106

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी (सी. बी. सी. एस.)

(बी. ए. एच. डी. एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.एच.डी.सी.–106 : भारतीय काव्यशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

---

1. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सम्प्रदायों का संक्षिप्त विवेचन कीजिए। 20

2. 'रीतिकाल में काव्यशास्त्र का विकास' विषय पर एक आलोचनात्मक विवेचन कीजिए। 20

3. अज्ञेय का काव्य-चिन्तन स्पष्ट कीजिए। 20

4. आचार्य मम्मट के काव्य-लक्षण सम्बन्धी विचार बताइए। 20

5. रस का अर्थ स्पष्ट करते हुए रस चिन्तन पर किसी **एक** आचार्य के विचारों का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए। 20

6. 'हिन्दी साहित्य में रस चिन्तन' पर एक निबंध लिखिए। 20

7. आचार्य विश्वनाथ द्वारा की गई साधारणीकरण की व्याख्या पर विचार कीजिए। 20

8. काव्य में छन्द का महत्व स्पष्ट कीजिए। 20

9. पश्चिमी चिन्तन के संदर्भ में औचित्य विवेचन की चर्चा कीजिए। 20

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 10 = 20$

(क) लक्षणा शब्द-शक्ति

(ख) अभ्यास

(ग) अनुमितिवाद

(घ) नगेन्द्र का रस-चिन्तन

× × × × ×